मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 46 ■ अंक : 13 ■ मंगलवार 17 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
आर माधवन का फेक अकाउंट

घरेलू सिलेंडर की ब्लैक मार्केटिंग !

उल्हासनगर में कई होटलें हुई बंद

उल्हासनगर. शहर में व्यवसायिक गैस की किल्लत के चलते बड़ी होटलों पर बंद की तलवार लटक रही है। कई होटलें और छोटी होटलें तो कुछ दिनों से बंद ही पड़ी है। खाऊ गली कहलाने वाले गोल मैदान परिसर में भी वडा पाव व छोटी होटलें बंद हैं। कई वड़ा पाव ठेले वाले भी कुछ दिनों से बंद है। घरेलू सिलेंडर जिनके पास एक ही सिलेंडर है उसमें भी ब्लैक मार्केटिंग हो रही है। खबर मिली है कि जो सिलेंडर 900 का है उसे 2000 में बेचा जा रहा है। व्यावसायिक सिलेंडर की तो भारी किल्लत है। गैस एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखने से पता चल रहा है कि गैस की त्रासदी आ चुकी है। गैस गोदाम में भी लोगों की कतारें देखने को मिल रही है। कुछ घरेलू गैस लेकर उसकी ब्लैक मार्केटिंग भी कर रहे हैं। गैस एजेंसी मालिक परेशानी से जूझ रहे हैं उनका कहना है कि पूरा दिन उनका फोनों पर अथवा उपभोक्ताओं को वर्तमान परिस्थिति समझाने में निकल जाता है। यह किल्लत कब तक चलेगी यह तो पता नहीं लेकिन आगामी 15 से 20 दिन कई होटलें भी बंद होगी और गैस सिलेंडर के लिए किल्लत और भी बढ़ सकती है।

होटल कर्मचारियों के लिए सिलेंडर की मांग

होटल में गैस सिलेंडर का स्टॉक काफी नहीं है। इसलिए, कई होटल व्यवसायियों ने सभी तलने वाली चीजें बंद कर दी हैं। जिन चीजों को तलने की जरूरत नहीं है। कुछ चीजें जिन्हें तेज आंच की जरूरत नहीं है, उन्हें होटल में बेचने के लिए रखा जा रहा है। होटल का व्यवसाय में 50 से 60 कर्मचारी काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही होटल बंद है, लेकिन सरकार को कर्मचारियों के लिए खाना बनाने के लिए हमें दो से तीन सिलेंडर देने की पहल करनी चाहिए। सिलेंडर की कमी के कारण होटल व्यवसायियों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। सरकार को होटल कर्मचारियों के बारे में सोचना चाहिए और उनके खाने के लिए सिलेंडर देने चाहिए।

कल्याण-डोंबिवली में 25% होटल बंद

मशहूर गुरुदेव होटल भी बंद

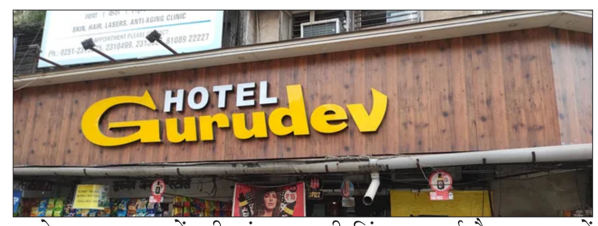

कल्याण. सिलेंडर की कमी के कारण कल्याण—डोंबिवली के 25 प्रतिशत होटल मालिकों ने अपने होटल बंद करने का फैसला किया है। आने वाले हफ्ते में बाकी होटल भी बंद कर दिए जाएंगे, ऐसी जानकारी होटल मालिकों ने दी। रविवार को कल्याण पश्चिम के शिवाजी चौक इलाके में नामचीन गुरुदेव होटल के सामने होटल मालिक ने गैस सप्लाई की कमी के कारण होटल को कुछ समय के लिए बंद रखा है। ग्राहकों को यह बताने के लिए एक बोर्ड लगाया गया है कि गैस सप्लाई बहाल होने पर होटल खोल दिया जाएगा।

डोंबिवली में करीब 250 होटल हैं। कल्याण शहर में भी इतने ही होटल हैं। कल्याण और डोंबिवली शहर के इलाकों में ऐसे करीब पांच सौ से छह सौ होटल हैं। इसके अलावा ढाबों की संख्या अलग है। कल्याण और डोंबिवली के होटल मालिक गैस एजेंसी से उतने ही कमर्शियल गैस सिलेंडर लेते थे, जितने होटल में रजिस्टर्ड होते थे। उन्हीं सिलेंडर से वे अपने होटल चलाते थे। अब होटल मालिकों के लिए ये कमर्शियल गैस सिलेंडर मिलना मुश्किल हो गया है।

कई होटल मालिक एजेंसी संचालकों से मांग कर रहे हैं कि उन्हें कम से कम दो से तीन सिलेंडर दिए जाएं, जो उनके होटल कर्मचारियों के रोजाना के खाने के लिए काफी हों। जब से वे सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं, होटल संचालकों की चिंता बढ़ गई है। पूछताछ में परेशानी एक तरफ तो होटल में गैस सिलेंडर नहीं हैं। होटल के किचन में लगी सभी गैस ग्रिल सिलेंडर न होने के कारण नहीं जल पा रही हैं। ऐसे में राशन बांटने वाले अधिकारी होटल में आकर होटल संचालक से ऐसे सवाल कर रहे हैं जैसे वही आरोपी हो। आपके पास कितने सिलेंडर हैं? वे क्रिमिनल और सख्त शब्दों में पूछ रहे हैं कि सिलेंडर रजिस्टर्ड हैं या होटल में स्टोर किए गए हैं। इन इंस्पेक्शन अधिकारियों की परेशानी से होटल संचालकों को नुकसान हो रहा है। व्यवसायी इन अधिकारियों को बंद करने की मांग कर रहे हैं।

महापौर अश्विनी निकम के पदभार संभालते ही लौटा

कालानी का वर्चस्व

सत्ता आते ही पप्पू कालानी ने शुरू किए विकास कार्य

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा में काफी समय के बाद कालानी का वर्चस्व वापस आया है। महापौर अश्विनी निकम के कार्यभार संभालते ही पप्पू कालानी ने अपने पुराने तेवर में नजर आ रहे हैं। सांसद कार्यालय में उनके रोजाना हो रही बैठकों से लग रहा है कि उन्होंने शहर विकास के लिए जोरदार कार्य शुरू कर लिए हैं। एक तरफ महापौर अश्विनी निकम रोजाना जमीनी तौर पर मूलभूत सुविधा दिलाने हेतु विकास कार्य कर रही हैं तो दूसरी ओर पप्पू कालानी भी शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। खासकर सिंधी समाज के पलायन पर रोक लगे उसके लिए पप्पू कालानी प्रयासरत है।

उल्हासनगर शहर में रास्तों की मरम्मत का कार्य जारी है, पानी की किल्लत को रोकने के लिए उनके पानी स्त्रोत की योजना पर काम चल रहा है। इमारतों के पुनर्विकास के लिए बिल्डरों को अवसर दिए जा रहे हैं।

व्यापारियों की पार्किंग व यातायात समस्याओं पर भी कार्य चल रहे हैं। पप्पू कालानी ने अपने भाषण में कहा कि जिस तरह हमारे कार्य में चल रहे हैं उससे आपको 6 माह में शहर में बदलाव देखने को मिलेगा। शहरवासियों को आशा है कि महापौर अश्विनी निकम व कालानी के कार्यकाल में शहर में विकास कार्य होगा।

हॉस्टल पर मनपा की कार्रवाई

1.5 करोड़ रुपये बकाया होने पर मुख्य कार्यालय सील

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा ने बकाया टैक्स वसूलने के लिए कार्रवाई शुरू की है। प्रशासन ने सीधे उस बिल्डिंग में बने सरकारी ऑफिस को सील कर दिया, जिस पर छह साल से 1 करोड़ 41 लाख 48 हजार रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। खास बात यह है कि इस बिल्डिंग में सरकारी गर्ल्स हॉस्टल चल रहा है, इसलिए स्टूडेंट्स के फायदे को देखते हुए पूरी बिल्डिंग को सील करने के बजाय सिर्फ हॉस्टल के मेन ऑफिस को ही सील किया गया। कमिश्नर मनीषा अव्हाले खुद मौके पर मौजूद थीं और उन्होंने कार्रवाई को लीड किया।

'कोठावड़े विला' नाम की एक प्राइवेट बिल्डिंग ललित सीताराम/रोशनी कोठावड़े की है। सरकार ने यहां लीज पर सरकारी गर्ल्स हॉस्टल शुरू किया है। मनपा के रिकॉर्ड के मुताबिक, इस बिल्डिंग पर छह साल से 1 करोड़ 41 लाख 48 हजार रुपये का टैक्स बकाया है। बार-बार नोटिस और वारंट जारी करने के बाद भी मालिकों ने टैक्स नहीं भरा, इसलिए आखिरकार एडमिनिस्ट्रेशन ने सख्त एक्शन लेने का फैसला किया।

स्टॉक कर महंगे दामों पर बेचे जा रहे गैस सिलेंडर

84 सिलेंडर ज़ब्त किए गए

भिवंडी. पश्चिम एशियाई देशों में चल रहे युद्ध के बीच, गैस सप्लाई को लेकर अफ़रा-तफ़री का माहौल है, और कुछ जगहों पर ब्लैक मार्केटिंग बढ़ने की खबरें आ रही हैं। ऐसे में कार्रवाई करते हुए, ठाणे राशन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट के 'F' ज़ोन के फ़्लाइंग स्क्वॉड ने शनिवार को भिवंडी के वलपाड़ा के वर्धमान टावर इलाके में अचानक छापा मारा और गैर-कानूनी तरीके से स्टोर किए गए 84 गैस सिलेंडर ज़ब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन में तीन टेंपो ज़ब्त किए गए और ड्राइवर समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया।

सोशल मीडिया पर भी गैस सिलेंडर की कमी होने के मैसेज खूब शेयर किए जा रहे हैं। देश में जहां गैस सप्लाई पर असर पड़ रहा है, वहीं कुछ जगहों पर ब्लैक मार्केटिंग बढ़ने की खबरें आ रही हैं। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए, ठाणे राशन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट के F ज़ोन के डिप्टी कंट्रोलर ऑफ़ राशन डिस्ट्रीब्यूशन प्रशांत काले के गाइडेंस में राशन डिस्ट्रीब्यूशन इंस्पेक्टर भगवान खंडेराव, गणेश हरणे और मनीष शास्त्री ने कार्रवाई की।

राशन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट को जानकारी मिली थी कि वर्धमान टावर इलाके में बड़ी संख्या में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर स्टोर करके ऊंचे दामों पर बेचे जा रहे हैं। इसी के तहत, शनिवार को एक फ्लाइंग स्क्वॉड ने छापा मारा और तीन टेंपो में रखे 84 गैस सिलेंडर ज़ब्त किए। इस कार्रवाई में भारत गैस, HP गैस और गो गैस के सिलेंडर मिले।

अधिकारियों ने बताया कि इन सिलेंडरों में घरेलू इस्तेमाल के लिए 14 kg के सिलेंडर और कमर्शियल इस्तेमाल के लिए 17, 19 और 21 kg के सिलेंडर शामिल थे। यह भी जानकारी सामने आई है कि गैस की कमी के दौरान ये सिलेंडर बाज़ार में 4,000 से 5,000 रुपये की ऊंची कीमत पर बेचे जा रहे थे। इस मामले में टेंपो ड्राइवर समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, और मालिक फरार बताया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि उनके और उनके साथियों के खिलाफ एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट, 1955 के तहत केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच, इस तरह के बिना इजाज़त स्टोरेज के बारे में फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा आगे की जांच चल रही है और उम्मीद है कि दूसरी जगहों पर भी ऐसी कार्रवाई की जा सकती है।

दिवा में बंद पड़ी स्कूल बैन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

दिवा। दिवा पूर्व के आगासन रोड स्थित ग्लोबल स्कूल के मैदान में खड़ी भंगार बस में अचानक आग लगने का मामला सामने आया है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं बस जलकर खाक हो गई। आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सोमवार की शाम करीब 5 बजे के आसपास आग लगने की जानकारी मिली। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान 1 रेस्क्यू वाहन के साथ मौजूद थे। स्कूल बैन बस का मालिक अज्ञात है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पहुंचकर पौने 6 बजे के करीब आग पर काबू पाया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

अंबरनाथ में गृह संकुल कर वसूली उपक्रम सफल

महिने भर में दो करोड़ रुपए वसूले गए

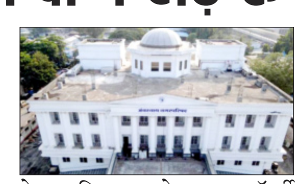

अंबरनाथ. प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में तेज़ी लाने के लिए अंबरनाथ नगर परिषद की शुरू की गई 'हाउसिंग कॉम्प्लेक्स टैक्स कलेक्शन कैंप' पहल सफल रही है। कॉर्पोरेशन ने शहर के अलग-अलग हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में कैंप लगाकर एक महीने में 2 करोड़ रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स इकट्ठा किया है।

अंबरनाथ नगर परिषद की सीमा में बड़ी संख्या में हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, पार्क और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट बन रहे हैं, जिससे शहर में शहरीकरण की रफ़्तार बढ़ी है। इस वजह से प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में भी बढ़ोतरी हुई है। कॉर्पोरेशन बकाया टैक्स इकट्ठा करने के लिए कई तरह के कदम उठा रहा है। सरकारी स्कीम के मुताबिक, उसने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स पर पेनल्टी अमाउंट पर 50 परसेंट तक की छूट देने का भी फैसला किया है। लोगों की मुश्किल कम करने के लिए, कॉर्पोरेशन के टैक्स डिपार्टमेंट ने एक महीने के अंदर शहर के अलग-अलग हिस्सों में 44 हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में शनिवार और रविवार को दो दिन के टैक्स कलेक्शन कैंप लगाए। इन कैंपों में आए अचानक रिस्पॉन्स की वजह से बड़ी मात्रा में टैक्स जमा हुआ।

इस बीच, टैक्स डिपार्टमेंट के इंस्पेक्टर तेजस राणे और नरेंद्र संखे ने बताया कि लोगों को आसानी से टैक्स भरने में मदद करने के लिए आगे भी ऐसे कैंप लगाए जाएंगे।

प्रॉपर्टीज़ का ओवरव्यू

अभी अंबरनाथ में 1 लाख 256 रेजिडेंशियल फ्लैट, 28 हज़ार 200 कमर्शियल प्रॉपर्टी हैं. साथ ही MIDC एरिया में करीब 1,704 छोटी-बड़ी फैक्ट्रियां हैं। नगर परिषद के प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट में कुल 1 लाख 32 हज़ार 660 प्रॉपर्टी रजिस्टर्ड हैं। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में करीब 5,200 नई रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रॉपर्टी जुड़ी हैं। इसलिए, नपा प्रशासन ने साफ किया कि प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

अग्निकांड से इंडस्ट्रियल सेफ्टी पर सवाल!

अंबरनाथ. आनंदनगर इंडस्ट्रियल एस्टेट आजकल अपने प्रोडक्शन से ज़्यादा अपनी भयानक आग की वजह से चर्चा में है। गत सोमवार को 'श्री गणेश केमिकल' कंपनी में लगी भयानक आग ने एक बार फिर इलाके में सेफ्टी का मुद्दा उठा दिया है। खुशकिस्मती से, एक बड़ा हादसा टल गया क्योंकि आग तब लगी जब वर्कर छुट्टी पर थे, लेकिन 12 से ज़्यादा धमाकों और आसमान में उठते धुएं से पूरा शहर दहशत में था। हालांकि, यह सिर्फ़ एक हादसा नहीं है बल्कि एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही और सेफ्टी नियमों के उल्लंघन का नतीजा है।

जब श्री गणेश केमिकल कंपनी से आग की लपटें निकलने लगीं, तो एक के बाद एक केमिकल के ड्रम फटने लगे। इन धमाकों की आवाज़ इतनी तेज़ थी कि इलाके के घर हिल गए। हवा में फैले केमिकल की वजह से आग पड़ोस की कंपनियों 'मिरेकल' और 'आई क्लाउड 9' तक पहुंच गई। अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और कल्याण-डोंबिवली - की फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की, लेकिन करोड़ों का नुकसान नहीं टाला जा सका।

अंबरनाथ मुस्लिम जमात द्वारा इफ्तार पार्टी का आयोजन

हिंदू-मुस्लिम एकता का शहर है अंबरनाथ

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के पास अल्पसंख्यक निधि भरपूर है, लेकिन हर वर्ष इस निधि का क्या किया जाता है, इसके बारे में किसी को पता नहीं चलता है. इस निधि का सही इस्तेमाल होगा तो अल्पसंख्यक समाज के विकास कार्य ठीक तरीके से होंगे. ऐसा उद्गार नगरसेवक प्रदीप पाटिल ने अंबरनाथ मुस्लिम जमात, मस्जिद ट्रस्ट द्वारा गैबन शाह वली दर्गा के समक्ष रविवार को आयोजित इफ्तार पार्टी में व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि वह और ग्रामीण गैबन शाह वली दर्गा के चाहने वालों में से हैं और उर्स हर वर्ष मनाते हैं. मुस्लिम जमात अध्यक्ष यूसुफ कासम शेख ने सभी उपस्थित मान्यवरों का स्वागत किया.

विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने कहा कि अंबरनाथ हिंदू - मुस्लिम एकता का शहर है और ऐसे कार्यक्रम हिंदू - मुस्लिम एकता को और भी मजबूत करते हैं. उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने कहा, यहां हिंदू और मुसलमान कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं. इस शहर में धर्मों के बीच नफरत नहीं है. शिवसेना गट नेता रविंद्र करंजुले ने सभी मुसलमानों को रमजान ईद की शुभेच्छा दी. भाजपा के नगरसेवक पवन वालेकर, आरपीआई सेकुलर के शाम दादा गायकवाड़, राकांपा नगरसेविका पूनम शेलार भी उपस्थित थे. इफ्तार पार्टी को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष यूसुफ के. शेख, आरिफ काजी, इमरान शेख, ट्रस्टी बिस्मिल्ला शेख, चांद शेख, मकबूल शेख, नईम शेख आदि ने परिश्रम किया. इफ्तार पार्टी में हिंदू मुस्लिम बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

बदलापुर स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़

टर्मिनस, नए स्टेशन से समस्या होगी हल

रेल मंत्री को दिया गया प्रस्ताव

बदलापुर. सेंट्रल रेलवे रूट पर कल्याण और बदलापुर स्टेशनों के बीच यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। इस वजह से पिछले कई सालों से बदलापुर स्टेशन को बड़ा करने और लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग की जा रही है। इन समस्याओं को लेकर सीधे रेल मंत्री से संपर्क किया गया है और गुरुवार को बदलापुर स्टेशन के डेवलपमेंट के लिए अश्विनी वैष्णव को प्रस्ताव दिया है.

बदलापुर इलाके में बढ़ती समस्याओं पर चर्चा के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ एक अहम मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पालघर के MP और बदलापुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रेसिडेंट रामभाऊ पाटकर मौजूद थे। इस मीटिंग में बदलापुर के नागरिकों की समस्याओं को उठाया गया। उम्मीद है कि इससे नागरिकों की मांगें जल्द ही पूरी होंगी और रेल यात्रियों को राहत मिलेगी। इस सुस्त सफर को आसान बनाने के लिए कई प्रस्ताव दिए गए। इन प्रस्तावों पर रेल मंत्रियों की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है और मीटिंग में कहा गया कि इन प्रोजेक्ट्स की स्टडी करने के बाद जल्द ही फैसले लिए जाएंगे।

बदलापुर स्टेशन को टर्मिनस बनाने का प्रस्ताव

इस मीटिंग में कुछ ज़रूरी मांगें रखी गईं। सबसे ज़रूरी प्रस्ताव बदलापुर रेलवे स्टेशन को टर्मिनस का स्टेटस देना था। अश्विनी वैष्णव ने इस प्रस्ताव पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है और अधिकारियों को इस बारे में एक डिटेल्ड रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, बदलापुर और वांगनी रेलवे स्टेशनों के बीच एक नया चामटोली रेलवे स्टेशन खोलने का भी प्रस्ताव रखा गया। इससे बदलापुर रेलवे स्टेशन पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी।

अभी 80 करोड़ का चल रहा है काम

बदलापुर स्टेशन पर अभी बहुत सारे डेवलपमेंट के काम हो रहे हैं। अभी सेंट्रल रेलवे रूट पर 36 स्टेशनों पर काम चल रहा है। इसमें प्लेटफॉर्म को चौड़ा करने का काम चल रहा है। इसके बाद स्लो और फास्ट लाइनों पर 15-15 कोच वाली लोकल ट्रेनें शुरू की जाएंगी। यह काम बदलापुर स्टेशन पर भी चल रहा है। इसके अलावा, दो नए 12-मीटर चौड़े रेलवे ब्रिज, मेन और छोटे प्लेटफॉर्म को जोड़ने वाला 150-मीटर लंबा डेक और एक और 12-मीटर का ब्रिज बनाने का काम चल रहा है। इन कामों पर 80 करोड़ खर्च होने की उम्मीद है।

कासगांव-कामोठे नई रेलवे लाइन की मांग

इसके साथ ही, कासगांव और कामोठे के बीच एक नई रेलवे लाइन की भी मांग की गई।

रेल मंत्रियों ने डिविजनल रेलवे मैनेजरों को स्टेशनों और इलाके का निरीक्षण करने और इन प्रोजेक्ट्स की फिजिबिलिटी की जांच करने और एक डिटेल्ड रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। इस बीच, इस मीटिंग में टिटवाला के पास एक नया गुरवाली रेलवे स्टेशन और बदलापुर-पुणे के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस सर्विस शुरू करने की भी मांग की गई।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सुरक्षा तंत्र की पोल

गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए वर्षों से प्रयास चल रहा है। इसके लिए भारी-भरकम बजट भी आबंटित किए गए। मगर सकारात्मक नतीजे कभी सामने नहीं आए। गंगा कार्ययोजना में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर करीब दशक भर पहले केंद्र सरकार ने बहुआयामी कार्यक्रम 'नमामि गंगे' की शुरुआत की थी। प्रारंभिक दौर में इसमें प्रगति भी दिखी थी और उम्मीद बंधी थी कि वर्षों से मैली हो रही गंगा धीरे-धीरे ही सही, लेकिन अब स्वच्छ हो जाएगी। निराशा की बात है कि 'नमामि गंगे' भी सही दिशा में नहीं बढ़ पाई।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रपट से उन सभी लोगों को मायूसी हुई है जो गंगा के निर्मल होने का इंतजार कर रहे थे। उत्तराखंड के बजट सत्र में पेश की गई कैग की रपट बताती है कि 'नमामि गंगे' कार्यक्रम क्रियान्वयन एजंसियों की विफलता के कारण वांछित नतीजे नहीं दे पाया। गौरतलब है कि इसके लिए केंद्र ने एक हजार करोड़ की राशि मुहैया कराई थी।

यह दुखद ही है कि गंगा कार्ययोजना की असफलता से नमामि गंगे से जुड़ी एजंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। इस कार्यक्रम में खामियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी पिछली योजना में थीं। 'नमामि गंगे' अपेक्षित परिणाम देने में क्यों विफल रही, इसे न केवल केंद्र को, बल्कि इस कार्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से लेना होगा।

इस परियोजना में नाकामी न केवल बड़ा आर्थिक नुकसान है, बल्कि उन सभी संकल्पों पर भी आघात है, जिनमें लोगों की यह इच्छा शामिल थी कि गंगा स्वच्छ और अविरल हो। मगर ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि इसमें कई स्तरों पर लापरवाही बरती गई।

हैरत की बात है कि गंगा की छोटी जलधाराओं के पास कूड़ा फेंके जाने से लेकर स्थानीय जरूरतों का आकलन किए बगैर कई तटों पर श्मशान घाट बना दिए गए। कैग ने जो खामियां उजागर की हैं, वह उन अधिकारियों को क्यों नहीं दिखा जो इस कार्यक्रम के अमल के लिए जिम्मेदार थे। अवजल शोधन संयंत्र के दोषपूर्ण डिजाइन में लापरवाही क्यों और किस स्तर पर हुई? मानदंडों का उल्लंघन करने वालों की अब जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

विचार : एलपीजी का विकल्प बने बायोगैस

दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव अब ऊर्जा बाजारों पर भी असर डाल रहा है। एलपीजी की आपूर्ति को लेकर हो रही चर्चाओं ने फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या देश को ईंधन के मोर्चे पर कुछ और घरेलू स्त्रोतों को मजबूत करना चाहिए? दरअसल भारत के पास पहले से ही एक ऐसा संसाधन है जिसे अक्सर केवल कचरा समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यही संसाधन भविष्य में गैस आपूर्ति का एक घरेलू आधार बन सकता है। यह संसाधन है जैविक कचरा, जो खेतों से लेकर शहरों की रसोइयों तक हर जगह मौजूद है। हर साल भारत में बड़ी मात्रा में जैविक कचरा उत्पन्न होता है। इसमें खेतों से निकलने वाला फसल अवशेष, पशुओं का गोबर, शहरों का गीला कचरा और बाजारों से निकलने वाला खाद्य कचरा शामिल है।

इन सबका उपयोग बायोगैस और कंप्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए किया जा सकता है। इस गैस का उपयोग खाना पकाने, बिजली बनाने या वाहनों को चलाने में किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टूवड्र्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (एसएटीएटी) योजना शुरू की थी। इसका लक्ष्य देश में कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित करना और जैविक कचरे को ईंधन में बदलना है। पिछले कुछ वर्षों में देश में ऐसे कई संयंत्र स्थापित किए गए हैं और उनसे गैस का उत्पादन भी शुरू हो चुका है। यदि इस व्यवस्था को विस्तार दिया जाए, तो इसका प्रभाव केवल शहरों की

रसोइयों तक सीमित नहीं रहेगा। यह कृषि, शहरी प्रबंधन, उद्योग और परिवहन सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है।

भारत के खेतों से हर साल लाखों टन फसल अवशेष और पशुओं का गोबर निकलता है। इन सामग्रियों को संसाधित करने के लिए बड़े बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। यदि ऐसे संयंत्र गांवों और सहकारी समितियों के माध्यम से विकसित किए जाएं, तो हर साल पर्याप्त मात्रा में गैस का उत्पादन किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त आय का स्त्रोत भी बन सकता है। गोबर और कृषि अवशेष से गैस बनाने के कुछ प्रयोग पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पहले ही शुरू हो चुके हैं। किसान अपने पशुओं का गोबर या खेत का अवशेष गैस संयंत्रों तक पहुंचाते हैं और बदले में उन्हें भुगतान मिलता है। संयंत्र में बनने वाली गैस का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है, जबकि अवशेष जैविक खाद के रूप में फिर खेतों में लौट जाता है। इससे एक चक्र बनता है-कचरा खेत से निकलता है और खाद बनकर फिर खेत में लौटता है।

ऐसी संभावना शहरों में भी मौजूद है। भारतीय शहरों से सालाना छह करोड़ टन ठोस कचरा निकलता है, जिसमें आधे से अधिक जैविक होता है। यदि इस कचरे को अलग करके बायोगैस संयंत्रों तक पहुंचाया जाए तो काफी मात्रा में गैस तैयार की जा सकती है। इंदौर ने बेहतर कचरा प्रबंधन के साथ बायोगैस परियोजनाओं पर काम किया है, जहां गीले कचरे से ऊर्जा बनाने की पहल हुई है। जमशेदपुर में भी खाद्य कचरे को बायोगैस में बदलने के प्रयोग किए गए हैं। यदि नगर निकाय बाजारों, होटलों और घरों से गीला कचरा व्यवस्थित तरीके से इकट्ठा कर उसे बायोगैस संयंत्रों तक भेजें, तो शहरों को दो लाभ मिल सकते हैं। एक तरफ कचरे की मात्रा कम होगी और दूसरी तरफ गैस का एक स्थानीय स्त्रोत तैयार होगा।

उद्योग क्षेत्र में भी बायोगैस की भूमिका बढ़ सकती है। खाद्य प्रसंस्करण, डेरी या कपड़ा उद्योग जैसे कई छोटे और मध्यम उद्योग जैविक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। यदि ऐसे उद्योग अपने परिसर में छोटे बायोगैस संयंत्र स्थापित करें, तो वे अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे एलपीजी या अन्य ईंधनों पर होने वाला खर्च भी कम हो सकता है। परिवहन क्षेत्र में भी कंप्रेस्ड बायोगैस का उपयोग बढ़ रहा है। देश में सीएनजी पर चलने वाले वाहन मौजूद हैं और उसी ढांचे में बायोगैस आधारित ईंधन का उपयोग भी किया जा सकता है। कुछ शहरों में आटो-रिक्शा और छोटे ट्रक ऐसे ईंधन का उपयोग करना शुरू कर चुके हैं।

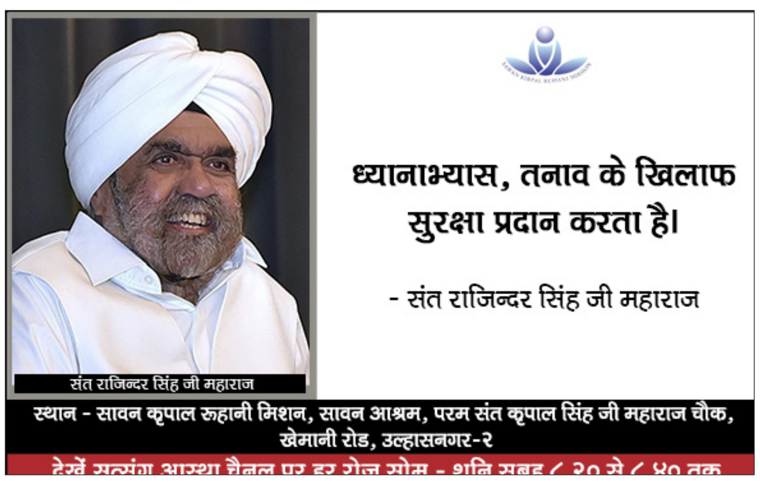

पश्चिम एशिया संकट गहराने की आशंका

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद युद्ध में अब जो तौर-तरीके अपनाए जाने की खबरें आ रही हैं, उससे यह चिंता गहराने लगी है कि इसका असर किस रूप में सामने आएगा। हैरानी की बात यह है कि दुनिया भर में परमाणु या व्यापक विनाश के हथियारों और अन्य मसलों की अपनी सुविधा के मुताबिक व्याख्या करने वाला अमेरिका खुद कई बार सारे तकाजों के खिलाफ जाकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति भी उपेक्षा भाव प्रदर्शित करता है।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर मिसाइल दागे जा रहे हैं और व्यापक पैमाने पर जानमाल की क्षति हो रही है, लेकिन अमेरिका और इजराइल के साझा हमले में कई ऐसे ठिकानों पर भी बमबारी की गई, जिसके पर्यावरणीय और मानवीयता पर असर को लेकर दुनिया भर में सवाल उठे हैं।

मसलन, प्रतिद्वंद्विता के क्रम में या ईरान को झुकाने के लक्ष्य से वहां एक स्कूल पर हमले के अलावा कई शहरों में तेल ठिकानों पर मिसाइल दागे गए। उससे बाद वहां जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उसका असर दीर्घकालिक होगा और इसकी मार सिर्फ आम लोगों को झेलनी होगी।

एक ओर विश्व भर में यह उम्मीद की जा रही है कि इस युद्ध की वजह से तेल और गैस के साथ-साथ अन्य कई मोर्चों पर व्यापक संकट गहराने के मद्देनजर शांति की राह खोजी जाएगी, दूसरी ओर खबर यह आई कि अमेरिका ने शनिवार को ईरान के खर्ग द्वीप पर हमला करके मसले को और जटिल स्वरूप दे दिया।

हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया और तेल ढांचों को निशाना नहीं बनाया। मगर खर्ग द्वीप को जिस तरह ईरान के सबसे बड़े तेल भंडार और नब्बे फीसद कच्चे तेल के निर्यात के केंद्र के रूप में जाना जाता है, उसमें कहना कठिन है कि हमलों का असर सीमित होगा।

अगर हमलों की जद में तेल भंडार भी आए, तो उसके नतीजों की कल्पना की जा सकती है। फिर इस पर ईरान की प्रतिक्रिया क्या होगी, खाड़ी देशों में स्थित तेल रिफाइनरियों पर कैसा खतरा पैदा होगा, कहना मुश्किल है।

इस क्रम में बड़े पैमाने पर तेल ठिकाने नष्ट होते हैं, तो आने वाले वक्त में दुनिया भर में संकट गहराएगा। युद्ध की चरम अवस्था में भी यह उम्मीद की जाती है कि इसमें शामिल देश संघर्ष की स्थिति में तय किए गए नियम-कायदों और मानवीयता का खयाल रखेंगे। मगर हालत यह है कि इस संबंध में मानवीय प्रश्नों की तो दूर, युद्ध को लेकर बने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बिना किसी हिचक के धता बताया जा रहा है।

विश्व भर में इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले की निंदा कर चुके हैं। रूस भी कह चुका है कि हम जिस अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करते हैं, वह लगभग खत्म हो चुका है।

इसके अलावा, तेल ठिकानों पर हमले के बाद बहुत बड़े दायरे में जो पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ रहे हैं, उसका खमियाजा आखिर कौन भुगतेगा?

खबर यह भी आई कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के आसमान से काली स्याही जैसा तरल बरस रहा है। अंधाधुंध हमलों के बाद युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों की जिंदगी जिस हालत में पहुंच गई है और मानवीयता के सभी तकाजे दरकिनार किए जा रहे हैं, वह सबके लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

LPG, CNG और PNG में क्या होता है फर्क?

जरा हट के

सोशल मीडिया पर LPG, CNG और PNG जैसे शब्द तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं. हालांकि इन नामों को लोग अक्सर सुनते हैं, लेकिन इनके बीच का अंतर बहुत कम लोगों को पता होता है. हो सकता है कि आपने स्कूल के समय इनके बारे में पढ़ा हो, लेकिन समय के साथ वह जानकारी याद नहीं रही हो. ऐसे में आइए आसान भाषा में समझते हैं कि LPG, CNG और PNG आखिर क्या हैं और इनमें क्या फर्क होता है.

LPG, CNG और PNG तीनों ही हाइड्रोकार्बन गैसें हैं, लेकिन इनकी संरचना, स्टोरेज, सप्लाई और उपयोग के तरीके एक-दूसरे से काफी अलग होते हैं. LPG (Liquefied Petroleum Gas) मुख्य रूप से प्रोपेन और ब्यूटेन गैसों का मिश्रण होती है, जो क्रूड ऑयल की रिफाइनिंग और नेचुरल गैस प्रोसेसिंग के दौरान बाय-प्रोडक्ट के रूप में प्राप्त होती है.

वहीं CNG (Compressed Natural Gas) मूल रूप से मीथेन गैस होती है, जिसे बहुत अधिक दबाव में संकुचित करके स्टोर किया जाता है. PNG (Piped Natural Gas) में भी मीथेन की मात्रा ज्यादा होती है और यह हवा से हल्की गैस होती है, जिसे कम दबाव पर पाइपलाइन के माध्यम से सीधे सप्लाई किया जाता है.

LPG को सिलेंडर में तरल रूप में स्टोर किया जाता है. दबाव के कारण यह तरल बन जाती है और इस्तेमाल के समय गैस में बदल जाती है, इसी रूप में यह घरों तक लाल सिलेंडर के जरिए पहुंचती है.

CNG को गैस के रूप में ही उच्च दबाव में सिलेंडर में भरा जाता है और यह कभी तरल अवस्था में नहीं बदलती. वहीं PNG को पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों या उद्योगों तक गैस के रूप में पहुंचाया जाता है.

अगर LPG, CNG और PNG के उपयोग की बात करें तो तीनों गैसें अलग-अलग जरूरतों के लिए इस्तेमाल की जाती हैं. LPG का इस्तेमाल मुख्य रूप से घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे और स्टोव में किया जाता है. इसके अलावा पानी गर्म करने और कुछ जगहों पर वाहनों में भी इसका उपयोग होता है.

पझंकंजी

पझंकंजी कोई फैंसी या मसालेदार डिश नहीं, बल्कि यह एक सादा व्यंजन है, जिसे फर्मेंटेड चावल से बनाया जाता है। यह रात के बचे हुए चावलों से बनी एक कमाल की डिश है, जिसे आप 'खमीर वाले चावल' भी कह सकते हैं। यह केरल के हर घर का एक पारंपरिक और बेहद पौष्टिक खाना है।

जरूरी सामग्री:

- 1 कटोरी रात के बचे हुए चावल
- पानी (इतना कि चावल पूरी तरह डूब जाएं)
- 2-3 बड़े चम्मच गाढ़ा दही या छाछ
- 3-4 छोटे प्याज (हल्के कुटे हुए)
- 1-2 हरी मिर्च (बारीक कुटी हुई)
- नमक स्वादानुसार

बनाने का तरीका

सबसे पहले बचे हुए चावलों को एक गहरे बर्तन में डालें। अब इसमें सामान्य तापमान वाला इतना पानी डालें कि चावल पूरी तरह डूब जाएं।

बर्तन को ढक्कन से ढक दें और रात भर (करीब 8 से 12 घंटे) के लिए रसोई में ही बिना छेड़े छोड़ दें।

अगली सुबह आप देखेंगे कि पानी थोड़ा धुंधला हो गया है और इसमें से हल्की-हल्की खट्टी महक आ रही है। इस पानी को भूलकर भी न फेंकें, क्योंकि इसी में सारा पोषण है। इसी खमीर वाले चावल और पानी के मिश्रण में दही या छाछ सीधे डाल दें।

अब इसमें कटे हुए प्याज, हरी मिर्च और स्वादानुसार नमक डालें। अपने साफ हाथों या करछी से चावलों को हल्का सा मैश करते हुए सारी चीजों को अच्छी तरह मिला लें।

आपकी पझंकंजी तैयार है! इसे ठंडा-ठंडा ही खाएं।

खास टिप: अगर आप इसका स्वाद दोगुना करना चाहते हैं, तो इस पझंकंजी को भुने हुए पापड़, फ्राई मछली के एक टुकड़े, तीखे आम के अचार और उबले हुए कप्पा (टैपिओका) के साथ मजे से खाएं।

ऑफिस से लोग वेकेशन नहीं, ले रहे स्लीपकेशन

जानें घूमने-फिरने से कितना है अलग

आज की तेज रफ्तार लाइफस्टाइल में लोग काम, स्क्रीन टाइम और लगातार भागदौड़ के कारण अक्सर थकान और नींद की कमी से जूझते हैं. पहले जहां लोग ऑफिस से छुट्टी लेकर वेकेशन पर जाते थे ताकि घूम सकें और नई जगहें देख सकें, वहीं अब एक नया ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है जिसे स्लीपकेशन कहा जा रहा है. यह शब्द सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन आजकल कई लोग अपनी छुट्टियों का इस्तेमाल सिर्फ आराम करने और अच्छी नींद पूरी करने के लिए करने लगे हैं.

दरअसल स्लीपकेशन दो शब्दों से मिलकर बना है – स्लीप और वेकेशन. यानी ऐसी छुट्टी जिसमें

घूमने-फिरने, शॉपिंग या एडवेंचर करने के बजाय मुख्य फोकस सिर्फ आराम, रिलैक्सेशन और अच्छी नींद लेने पर होता है. जो लोग लगातार काम के दबाव में रहते हैं, देर रात तक लैपटॉप या मोबाइल इस्तेमाल करते हैं और ठीक से सो नहीं पाते, उनके लिए यह ट्रेंड काफी आकर्षक बनता जा रहा है.

आजकल कई होटल और रिसॉर्ट भी इस ट्रेंड को समझते हुए खास स्लीप-फ्रेंडली पैकेज ऑफर करने लगे हैं. इनमें शांत कमरे, ब्लैकआउट पर्दे, आरामदायक मैट्रेस, अरोमा थेरेपी और मेडिटेशन जैसी सुविधाएं दी जाती हैं, ताकि लोगों को गहरी और सुकून भरी नींद मिल सके. कुछ जगहों पर तो स्लीप काउंसलिंग और रिलैक्सेशन सेशन भी कराए जाते हैं, जिससे तनाव कम हो और शरीर को पूरा आराम मिल सके.

स्लीपकेशन और सामान्य वेकेशन में सबसे बड़ा फर्क यही है कि वेकेशन में लोग ज्यादा एक्टिव रहते हैं. नई जगहों पर घूमना, लोकल फूड ट्राय करना, फोटोग्राफी करना या एडवेंचर एक्टिविटीज करना आम बात है. लेकिन स्लीपकेशन में इसका उल्टा होता है. यहां व्यक्ति अपने शरीर और दिमाग को पूरी तरह आराम देने पर ध्यान देता है. इसमें ज्यादा प्लानिंग या भागदौड़ नहीं होती, बल्कि आराम से सोना, किताब पढ़ना, हल्की वॉक करना और डिजिटल डिटॉक्स करना शामिल होता है.

हेल्थ एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि आज की लाइफस्टाइल में अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है. अगर शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो इसका असर मानसिक और शारीरिक दोनों सेहत पर पड़ सकता है. नींद की कमी से स्ट्रेस, थकान, चिड़चिड़ापन, कमजोर इम्युनिटी और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत जैसी समस्याएं हो सकती हैं. ऐसे में कुछ दिनों का स्लीपकेशन शरीर और दिमाग दोनों को रीसेट करने में मदद कर सकता है.

स्लीपकेशन का मतलब सिर्फ दिनभर सोते रहना नहीं है. इसका असली उद्देश्य शरीर को आराम देना और नींद की खराब आदतों को सुधारना होता है. इसमें सही समय पर सोना, स्क्रीन टाइम कम करना, हेल्दी खाना और रिलैक्सेशन टेक्निक अपनाना शामिल होता है.

आज का राशिफल

मेष : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए कार्य में लाभ मिलेगा।

वृषभ : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें।

मिथुन : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

कर्क : नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा।

सिंह : पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या : पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु : यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा।

मकर : बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुंभ : नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है।

मीन : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

टोमेटो क्लीनिंग का आसान तरीका

नमक से निकाले टमाटर पर चिपके पेस्टिसाइड्स

- टमाटर भारतीय रसोई का एक अहम हिस्सा है, जिसे सलाद से लेकर चटनी तक में इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन इसे खाने से पहले अच्छी तरह से धोना बहुत जरूरी होता है. क्योंकि यदि टमाटर की फसल में कीटनाशक दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है तो इसपर पेस्टिसाइड्स चिपके हो सकते हैं.
- ऐसे में ये ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ पानी से धोने पर हर तरह के केमिकल नहीं हटते, खासकर अगर वे टमाटर के अंदर चले गए हों. ऐसे में टमाटर को अच्छी तरह से साफ करने के लिए नमक का पानी सबसे आसान और असरदार तरीका है माना जाता है.

टमाटर की त्वचा साफ करना क्यों जरूरी है?

टमाटर की त्वचा पतली और नाजुक होती है, इसलिए कीटनाशक और धूल आसानी से चिपक जाते हैं. खासकर सर्दियों और शुरुआती वसंत में, जब कुछ क्षेत्रों में कीटनाशक का इस्तेमाल ज्यादा होता है, नॉन आर्गेनिक टमाटर में रसायन ज्यादा रह सकते हैं.

नमक के पानी से टमाटर कैसे साफ करें

- सबसे पहले नमक का घोल तैयार करें. इसके लिए एक बड़े बर्तन में 1 लीटर साफ पानी डालें. इसमें 1 चम्मच नमक डालें और अच्छे से घोलें.
- टमाटर को इस पानी में डालें, ताकि सभी टमाटर पानी में पूरी तरह डूब जाएं. 15–20 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें.
- नमक की मदद से कीटनाशक और धूल ढीली होकर निकल जाते हैं. भिगोने के बाद टमाटर निकालें और धोते समय हल्के हाथ से रगड़ें.
- टमाटर को साफ कपड़े या किचन टॉवल से पोंछें. इसके बाद काटें या स्टोर करें.

इन बातों का भी ध्यान रखें

टमाटर काटने या पकाने से ठीक पहले ही धोएँ, स्टोर करने से पहले नहीं. ज्यादा देर तक भिगोने से टमाटर का टेक्सचर बदल सकता है. फटे या खराब टमाटर की त्वचा हटा दें. अगर ज्यादा सतर्क हैं, तो टमाटर को हल्का उबालकर छील लें.

क्या नमक सभी कीटनाशक हटा देता है?

- नमक का पानी टमाटर की सतही रसायन मात्रा को काफी हद तक कम कर देता है, लेकिन जो रसायन टमाटर के अंदर चले गए हैं, उन्हें यह नहीं हटा सकता. फिर भी, नमक के पानी से धोना सिर्फ पानी से धोने या बिना धोए खाने से बहुत बेहतर है. यह सस्ता और आसान तरीका है जिसे रोजाना अपनाया जा सकता है.

तेज धूप में निकलने से पहले सावधान!

काला पड़ जाएगा चेहरा, फॉलों करें ये फ्री की ट्रिक

गर्मी का मौसम शुरू होते ही तेज धूप और बढ़ते तापमान का असर लोगों के स्वास्थ्य और त्वचा पर साफ दिखाई देने लगता है. खासकर दोपहर के समय धूप में निकलने से चेहरे की त्वचा को काफी नुकसान पहुंच सकता है. ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी चेहरे को झुलसा सकती है और कई प्रकार की त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है. जौनपुर की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. कुसुम पांडेय बताती हैं कि तेज धूप में बिना सावधानी के निकलने से त्वचा पर सनबर्न, झाइयां, दाने और कालापन जैसी समस्याएं हो सकती हैं. धूप की तेज किरणें त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे चेहरा बेजान और रूखा दिखाई देने लगता है.

डॉ. कुसुम के मुताबिक, यदि किसी को जरूरी काम से धूप में बाहर निकलना पड़े तो कुछ सावधानियां जरूर अपनानी चाहिए. सबसे पहले सिर और चेहरे को सीधे धूप से बचाने के लिए छाता, टोपी या दुपट्टे का इस्तेमाल करें. इसके

अलावा, धूप में निकलने से पहले चेहरे पर हल्का मॉइस्चराइजर या सनस्क्रीन लगाना भी काफी फायदेमंद होता है.

डॉ. कुसुम बताती हैं कि गर्मी के दिनों में शरीर को अंदर से ठंडा और हाइड्रेटेड रखना भी जरूरी है. इसके लिए लोगों को अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए. नींबू पानी, नारियल पानी, छाछ और ताजे फलों का सेवन करना चाहिए. इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती और त्वचा भी स्वस्थ रहती है. त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपाय भी काफी लाभदायक होते हैं. चेहरे पर एलोवेरा जेल, गुलाब जल या खीरे का रस लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है. धूप के प्रभाव से राहत मिलती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

नौ साल के बच्चे को 15 साल के किशोर ने तालाब में डुबोकर मार डाला, कबूला जुर्म

गोरखपुर. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र के हुमायूंपुर उत्तरी में नौ साल के बच्चे की तालाब में डुबोकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी 15 वर्षीय बाल अपचारी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की, उसने बच्चे को तालाब में धकेलने की बात स्वीकार की है। दिया।

स्टंटबाजी में छात्र की चली गई जान, स्कूटी से टकराने के बाद डिवाइडर से भिड़ी बुलेट

लखनऊ. यूपी के लखनऊ में बाइकर्स ग्रुप के साथ राइडिंग के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। गोमती नगर विस्तार इलाके में रविवार सुबह तेज रफ्तार बाइक एक स्कूटी से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। जिससे इंटर के छात्र की मौत हो गई। दरअसल, तेज गति से जा रही बुलेट बाइक पहले आगे चल रही स्कूटी से टकराई, जिसके बाद चालक बाइक पर नियंत्रण खो बैठा और डिवाइडर से जा टकराया। वहीं, यह घटना एक युवक के कैमरे में कैद हो गया।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी कार, 4 दोस्तों की दर्दनाक मौत

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे क्षेत्र में सोमवार सुबह दिल्ली-लखनऊ राजमार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दरअसल, ईंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में एक कार पीछे से जा घुसी। इस हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को अस्पताल भिजवाया। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब छह बजे मनकरा मोड़ के पास यह हादसा उस समय हुआ जब रामपुर से दिल्ली जा रही एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग फंस गए। मृतकों में एक की पहचान नैनीताल के पालिवाल, बीमिला कंपाउंड के रहने वाले कुमार पाल के बेटे दयाल सिंह रावत के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक की पहचान हल्द्वानी के रहने वाले चंद्रवाला पांडे के बेटे यशदीप के रूप में हुई। अन्य मृतकों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं।

बिहार में भिड़े यूपी के दो ट्रक ड्राइवर; रोड रेज में हो गया मर्डर, उजड़ गया एक परिवार

बिहार के बक्सर जिले में सड़क पर हुई एक सनसनीखेज वारदात ने उत्तर प्रदेश के एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। ओवरटेक को लेकर हुए विवाद में एक ट्रक चालक ने दूसरे ट्रक चालक को बेरहमी से ट्रक से कुचल दिया। इस घटना में मऊ निवासी 30 वर्षीय पंकज यादव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर इलाके में देर रात हुई। बताया जा रहा है कि बालू लोड करने के लिए ट्रकों की लंबी कतार लगी हुई थी। इसी दौरान दो ट्रक चालकों के बीच आगे निकलने को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों चालक आपस में भिड़ गए।

100 मिनट के अंदर शिकायतों का निपटारा, 5000 उड़नदस्तों की तैनाती

■ **चुनावी राज्यों के लिए EC की सख्त गाइडलाइन**

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों के लिए 5 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी) में सख्त आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी किए हैं। 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही इन क्षेत्रों में एमसीसी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

चुनाव आयोग ने सुनिश्चित किया है कि चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से हों, इसलिए केंद्रीय सरकार सहित सभी संबंधित पक्षों पर MCC के प्रावधान लागू किए गए हैं। मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। इस बार कुल 824 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे, जहां लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। करीब 2.19 लाख मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे और लगभग 25 लाख कर्मी चुनाव प्रक्रिया में तैनात रहेंगे।

चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघनों पर त्वरित कार्रवाई के लिए 5,000 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड्स (उड़नदस्ते) और 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीमों की तैनाती की है। शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के अंदर करने का लक्ष्य रखा गया है। नागरिकों की शिकायतों के लिए 1950 टोल-फ्री नंबर और सी-विजिल ऐप के माध्यम से रिपोर्टिंग की व्यवस्था की गई है। राजनीतिक दलों को रैलियां, जुलूस या सभाओं के लिए पहले से पुलिस को सूचित करना अनिवार्य है, लाउडस्पीकर आदि की इजाजत लेनी होगी। सार्वजनिक स्थलों जैसे मैदानों या हेलीपैड के उपयोग के लिए सुविधा पोर्टल पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवेदन करना होगा।

EC का सख्त निर्देश

मंत्रियों और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आधिकारिक कार्यों को चुनाव प्रचार से न जोड़ें व सरकारी मशीनरी, वाहनों या कर्मचारियों का दुरुपयोग न होने दें। निजी संपत्तियों पर बिना मालिक की अनुमति के पोस्टर, बैनर या झंडे नहीं लगाए जा सकेंगे। नागरिकों की निजता का सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा व निजी आवासों के बाहर प्रदर्शन या धरना प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव आयोग ने सभी स्तर के अधिकारियों से निष्पक्षता बरतने और सभी दलों के साथ समान व्यवहार करने का आह्वान किया है।

होर्मुज से निकलकर शिवालिक भारत आया

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर भारतीय जहाज शिवालिक गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंच चुका है। यह अपने साथ एलपीजी का एक बड़ा भंडार लेकर आया है। गौरतलब है कि ईरान ने दो भारतीय जहाजों को होर्मुज से निकलने की अनुमति दी थी, इनमें एक शिवालिक है और दूसरा नंदा देवी है। शिपिंग मंत्रालय ने इससे पहले जानकारी दी थी कि इन दोनों जहाजों में से एक 16 मार्च को जबकि दूसरा 17 मार्च को भारत पहुंच जाएगा।

देश में एलपीजी संकट की खबरों के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से कहा गया था कि देश में एलपीजी के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं और जल्दी ही नए टैंकर्स भी भारत आने वाले हैं। इसी मामले पर ज्यादा जानकारी देते हुए शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा था, फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, वहां पर 24 भारतीय जहाज मौजूद हैं।

कटक के सरकारी हॉस्पिटल में आग, 10 मरीजों की मौत

■ **11 कर्मचारी भी झुलसे**

■ **मृतकों के परिजन को 25-25 लाख मुआवजा**

कटक. ओडिशा में कटक के श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात करीब 3 बजे आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 3 की मौत इलाज के दौरान हुई।

आग पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के ICU में लगी थी। यहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। उन्हें बचाने में अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी झुलस गए। अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी।

ओडिशा CM मोहन चरण मांझी सुबह घायलों को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। साथ ही हादसे की हाई लेवल जांच का आदेश दिया है। श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज (SCB) कटक का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां पूरे राज्य से लोग इलाज करवाने के लिए आते हैं।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-DGP को हटाया

■ **कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले**

■ **आयोग बोला- ये अफसर चुनाव से दूर रहेंगे**

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है।

वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्यंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

EC ने कहा- चुनाव तैयारियों की समीक्षा के बाद लिया फैसला

चुनाव आयोग ने आदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद वह लगातार प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में यह फैसला लिया गया है। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक बदलाव किए जा रहे हैं।

ममता कालिया को साहित्य अकादमी पुरस्कार का ऐलान

■ **'जीते जी इलाहाबाद' के लिए सम्मान**

नई दिल्ली. हिंदी की वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया को साल 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा हुई है। ममता कालिया को यह पुरस्कार उनके संस्मरण 'जीते जी इलाहाबाद' के लिए दिया गया है। साहित्य अकादमी की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक

साहित्य अकादमी पुरस्कार दिए जाएंगे। इन पुरस्कारों में आठ कविता संग्रह, चार उपन्यास, छह कहानी संग्रह, दो निबंध, एक साहित्यिक आलोचना, एक आत्मकथा और दो संस्मरण पुस्तकें शामिल हैं। विज्ञप्ति में आगे बताया गया है कि साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025 की प्रक्रिया जनवरी 2025 में शुरू हुई और 30 जनवरी 2025 को एक विज्ञापन जारी किया गया।

ममता कालिया की प्रतिक्रिया

साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा के बाद लेखिका ममता कालिया ने फेसबुक पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि दोस्तो धन्यवाद,शुक्रिया। ऐसा बहुत कम होता है कि हमारे फोन पर ट्रैफिक जाम हो। माफी। आपका प्यार अब प्यार देने से ही पूर्ण होगा। ममता कालिया ने आगे लिखा है कि आप सब की दुआएं मुझे अगली किताब लिखने के लिए उकसाती हैं। साहित्य अकादमी से पुरस्कृत लेखकों के लिए 31 मार्च 2026 को नई दिल्ली में एक भव्य समारोह का आयोजन होगा। इस दौरान एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए की राशि पुरस्कृत लेखकों को दी जाएगी।

जीते जी इलाहाबाद किताब ममता कालिया का संस्मरण है। इसमें लेखिका ने इलाहाबाद में बिताए गए अपने शुरुआती दिनों को याद किया है। इस किताब में उन्होंने अपने रानीमंडी के मकान, लोकनाथ के स्वाद और चौक समेत पुराने शहर के बारे में अलग-अलग अंदाज में लिखा है। इसके अलावा ममता कालिया ने उस दौर के लेखकों और उनके तौर-तरीकों को भी अपनी किताब में विस्तार दिया है।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को दिया गया पैसा भारतीयों की हत्या में योगदान देने जैसा

■ **सनराइजर्स पर भड़के सुनील गावस्कर**

मुंबई. इंग्लैंड की क्रिकेट लीग 'द हंड्रेड' में भारतीय कंपनी सन ग्रुप के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी के पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने का मामला शांत नहीं हुआ है। सनराइजर्स लीड्स ने हाल में हुई नीलामी में अबरार अहमद को खरीदा था। इस पर भारत में सोशल मीडिया पर काफी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। अब महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि तीखी प्रतिक्रियाएं स्वाभाविक हैं। उन्होंने सनराइजर्स लीड्स के कदम की बेहद तल्ख शब्दों में आलोचना की है। गावस्कर ने कहा है कि पाकिस्तानी क्रिकेटरों को दी गई फीस भारतीयों की मौत में योगदान देना है।

काव्या मारन सनराइजर्स लीड्स की सह-मालकिन हैं। द हंड्रेड की नीलामी में उनकी फ्रेंचाइजी ने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद

को 1 लाख 90 हजार पाउंड में खरीदा जो भारतीय रुपये में करीब 2.3 करोड़ है। इतना ही नहीं, सनराइजर्स के कोच डेनियल वेटोरी ने नीलामी के बाद ये भी कहा कि पाकिस्तान के एक और स्पिनर उस्मान तारिक भी फ्रेंचाइजी के रेडार पर थे।

सुनील गावस्कर ने मिड-डे के लिए अपने कॉलम में लिखा है, 'द हंड्रेड में एक भारतीय ओनर की फ्रेंचाइजी द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने पर मचा हंगामा बिल्कुल भी हैरान नहीं करता। जब से नवंबर 2008 में मुंबई हमला हुआ, भारतीय फ्रेंचाइजी ओनर्स ने आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया। देरी से ही सही, यह असहास हुआ कि किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी को दी जाने वाली फीस, अप्रत्यक्ष तौर पर भारतीय सैनिकों और आम नागरिकों की मौत में योगदान देना है। पाकिस्तानी खिलाड़ी खुद को मिले पैसे पर अपनी सरकार को इनकम टैक्स देते हैं। उससे हथियार और बारूद खरीदे जाते हैं। इसी वजह से भारतीय संस्थाओं ने पाकिस्तानी कलाकारों और स्पोर्ट्सपर्सन को बुलाना बंद कर दिया।'

गावस्कर ने आगे लिखा है, 'कोई भारतीय संस्था या उसकी कोई ओवरसीज सब्सिडियरी जो पेमेंट कर रही है, अगर मालिक भारतीय है तब वह भारतीयों के हताहत होने में योगदान कर रहा/रही है। यह बहुत ही सामान्य बात है। द हंड्रेड की टीम के कोच डेनियल वेटोरी न्यूजीलैंड से हैं। वह शायद इस सामान्य सी बात को नहीं समझ पाए होंगे, इसलिए वह अपनी टीम में कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चाहते थे।

हैदराबाद फार्महाउस ड्रग्स केस-पूर्व MLA रोहित रेड्डी समेत 3 गिरफ्तार

■ **14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए**

■ **TDP सांसद समेत 8 को बेल**

हैदराबाद. पुलिस की एक विशेष टीम ने शनिवार रात हैदराबाद के पास मोइनाबाद स्थित एक फार्म हाउस पर छापेमारी कर एक हाई-प्रोफाइल ड्रग पार्टी का पर्दाफाश किया है। मौके पर ही पार्टी में शामिल 11 लोगों को पकड़ा गया।

आंध्र प्रदेश से तेलुगु देशम पार्टी (TDP) सांसद पुट्टा महेश कुमार और बीआरएस के पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी सहित 11 लोगों को हिरासत में लिया गया। महेश कुमार और सात अन्य को थाने से बेल दे दी गई।

उन्हें रविवार शाम को नोटिस जारी करने के बाद छोड़ दिया गया। वहीं रोहित रेड्डी, नितेश रेड्डी और नमिथ शर्मा को गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शुरुआती जांच में सांसद निगेटिव थे, लेकिन ब्लड टेस्ट के बाद पुष्टि हुई कि उन्होंने भी ड्रग्स ली थी। उनके अलावा 5 अन्य लोगों में ड्रग्स की पुष्टि हुई है। तलाशी में 0.26 ग्राम कोकीन और बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई। जिस फार्म हाउस पर पार्टी चल रही थी, वह रोहित रेड्डी का ही बताया जा रहा है।

पार्टी में मौजूद कुछ लोगों ने कथित तौर पर हथियार से फायरिंग भी की। ईगल फोर्स ने एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट और तेलंगाना स्टेट एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। रोहित रेड्डी और तीन अन्य को आर्म्स एक्ट के आरोपों में हिरासत में रखा गया, जबकि सांसद और सात अन्य को नोटिस जारी कर रिहा किया गया।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को वनडे सीरीज में 2-1 से हराया

■ **तीसरा वनडे 11 रन से जीता**

■ **तंजिद का शतक**

■ **सलमान आगा की सेंचुरी बेकार गई**

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे में 11 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। ढाका के शेरे बंगला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तंजिद हसन तमिम ने शानदार शतक लगाते हुए टीम को 50 ओवर में 5 विकेट पर 290 रन तक पहुंचाया।

जवाब में पाकिस्तान की टीम 50 ओवर में 279 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए सलमान आगा ने 106 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन उनका शतक टीम को हार से नहीं बचा सका।

तमिम के शतक से मजबूत स्कोर

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत संभली हुई रही। सैफ हसन (36) और तंजिद हसन तमिम ने पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की। सैफ के आउट होने के बाद भी तमिम ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 107 गेंद में 107 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 7 छक्के लगाए।

मिडिल ऑर्डर में नजमुल हुसैन शांतो (27) और लिटन दास (41) ने टीम को स्थिरता दी। आखिरी ओवरों में तौहीद हृदय ने 44 गेंद में नाबाद 48 रन बनाकर टीम को 290 रन तक पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

291 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 17 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। साहिबजादा फरहान (6), माज सादाकत (6) और मोहम्मद रिजवान (4) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद गाजी घोरी (29) और अब्दुल समद (34) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बना सके।

हिमाचल में अटल टनल में पूरी रात फंसे सैकड़ों टूरिस्ट

■ **बर्फबारी से सड़कों पर बढ़ी फिसलन**

■ **गाड़ियों में काटी रात, अगले 6 दिन बारिश**

शिमला. हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में बर्फ देखने उमड़े देशभर के हजारों टूरिस्ट पूरी रात अटल टनल रोहतांग में फंसे रहे। ताजा बर्फबारी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई। इससे टूरिस्ट के लगभग एक हजार वाहन पूरी रात सड़क बहाली के इंतजार में रहे।

बता दें कि अटल टनल रोहतांग, सिस्सू, कोकसर, शिंकुला इत्यादि क्षेत्रों में रविवार दोपहर बाद ताजा बर्फबारी हुई। दिन में पर्यटक बर्फ के बीच मस्ती करते रहे। शाम के वक्त जब टूरिस्ट मनाली लौटने लगे, तब तक सड़क पर बर्फ की मोटी परत जम गई।

इससे गाड़ियां फिसलने लगी और टनल के भीतर, नॉर्थ व साउथ पोर्टल पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी रही।

छात्र की डेडबॉडी देने कनाडा सरकार मांग रही 35 लाख

■ **उज्जैन लाने के 10 लाख अलग लगेंगे**

■ **दो दिन पहले कार से कुचलकर हत्या हुई थी**

उज्जैन. कनाडा में कार से कुचले गए उज्जैन के छात्र गुरकीरत सिंह मनोचा की बॉडी भारत लाने में परिवार के सामने बड़ी आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। परिजन का कहना है कि कनाडा सरकार बॉडी देने के लिए करीब 40 हजार डॉलर (लगभग 35 लाख रुपए) जमा कराने को कह रही है।

इतना ही नहीं, जांच प्रक्रिया के कारण अस्पताल से बॉडी 15 दिन बाद ही दी जाएगी। परिवार ने बताया कि बॉडी को कनाडा से उज्जैन लाने में करीब 10 लाख रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा।

ऐसे में परिजन ने केंद्र और राज्य सरकार के साथ स्थानीय प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। बता दें, गुरकीरत सिंह मनोचा की दो दिन पहले कनाडा में कार से कुचलकर हत्या कर दी गई थी।

सरकार से मदद की लगाई गुहार

गुरकीरत सिंह के पिता गुरजीत सिंह का कहना है कि इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करना उनके लिए संभव नहीं है। ऐसे में सरकार ही उनकी मदद करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आर्थिक सहायता देने की गुहार लगाई है।

पिता बोले- बेटा बेहद शांत स्वभाव का था

पिता गुरजीत सिंह ने बताया कि गुरकीरत लगभग सवा साल पहले पढ़ाई के लिए कनाडा गया था। वह बेहद शांत और नेक स्वभाव का था। वह किसी भी विवाद में नहीं पड़ता था। उन्होंने कहा कि यह घटना परिवार के लिए बेहद दुखद है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में कनाडा में जांच जारी है। स्थानीय पुलिस ने कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो-तीन अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

ईरान में 15 दिन बाद भी सत्ता नहीं बदली

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प अकेले जंग नहीं रोक सकते, तेहरान के पास अभी भी खेल पलटने की ताकत

वाशिंगटन डीसी. दो हफ्ते तक ईरान के खिलाफ युद्ध चलने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही जीत का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि आखिरी परिणाम इस बात पर भी निर्भर करेगा कि ईरान आगे क्या करता है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अगर ईरान लड़ाई जारी रखता है, जहाजों पर हमले करता है या जवाबी कार्रवाई करता है, तो युद्ध वास्तव में खत्म नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नौसेना का बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है। उसकी कई मिसाइलें खत्म हो चुकी हैं और उसके कई टॉप लीडर्स मारे जा चुके हैं।

इसके बावजूद ट्रम्प के वे बड़े राजनीतिक मकसद अब तक पूरे

नहीं हुए हैं जिनकी उन्होंने कई बार बात की थी। ईरान में अभी भी पुराना शासन ही कायम है। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्टेट में तेल के समुद्री रास्ते को बाधित करके वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मचा दी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान में अभी भी खेल पलटने की ताकत है।

अमेरिका में भी दिखने लगा जंग का असर

यह स्थिति ट्रम्प के लिए मुश्किल पैदा करती है, क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के लोग अब उनसे युद्ध खत्म करके अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की मांग कर रहे हैं। इसी साल नवंबर में अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। युद्ध का असर अमेरिका के अंदर भी दिखने लगा है। अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद पेट्रोल की कीमतों में लगभग 25 फीसदी तक बढ़ोतरी हो चुकी है। किसानों के लिए खाद महंगी हो गई है और अमेरिकी सैनिकों की मौत का आंकड़ा भी बढ़कर 13 पहुंच गया है।

अकेले जंग रोककर तेल की बढ़ती कीमतें नहीं रोक सकते ट्रम्प

ईरान ने यह भी दिखाया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमला करने की क्षमता रखता है। इस वजह से यह साफ नहीं है कि सिर्फ अमेरिका अकेले युद्ध रोक भी दे, तो क्या तेल की कीमतों में तुरंत कमी आएगी।

ईरानी हमलों ने फारस की खाड़ी के उन देशों के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है जो लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने भी मौजूद हैं।

सोनम वांगचुक के रिहा होते ही आंदोलन ने पकड़ा जोर

■ **लेह और कारगिल में बड़े पैमाने पर रैलियां**

लद्दाख में जारी आंदोलन ने एक बार फिर जोर पकड़ा है। कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के महज 2 दिन बाद सोमवार को लेह और कारगिल शहरों में बड़े पैमाने पर रैलियां निकाली गईं। लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (KDA) के आह्वान पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। इनका मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार से लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने, छठी अनुसूची लागू करने की लंबित मांगों पर शीघ्र वार्ता शुरू करने की अपील करना था। पिछले 5 वर्षों से इन दोनों संगठनों के नेतृत्व में यह आंदोलन चल रहा है। कारगिल और आसपास के द्रास क्षेत्र में पूर्ण बंद रहा, जबकि पूरे लद्दाख संघ शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि कहीं से भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

यह रैली एलएबी की ओर से सितंबर महीने में हुई हिंसक घटनाओं के बाद पहली बड़ी जनसभा थी, जिसमें पुलिस कार्रवाई के बाद प्रशासन ने सख्ती बरती थी। वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत लगभग 6 महीने तक हिरासत में रखा गया था। केंद्र सरकार ने शनिवार को उनकी हिरासत समाप्त करने की घोषणा की, जिसे सभी पक्षों के साथ रचनात्मक संवाद सुगम बनाने के उद्देश्य से बताया गया।

संक्षेप...

बिजली के झटके से बिल्ली की मौत

ठाणे. मुंब्रा में बिजली के करंट से बिल्ली की मौत का मामला सामने आया है। प्राणी मित्र संस्था के बचाव टीम ने मुंब्रा पुलिस थाने में टोरेंट पवार कंपनी के कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मुंब्रा शहर में बिजली वितरण और बकाया वसूलने का काम टोरेंट कंपनी कर रही है। रविवार को प्राणी मित्र की रेस्क्यू टीम में काम करने वाली दो युवतियां मुंब्रा रेलवे स्टेशन परिसर से गुजर रही थीं, तभी उन्होंने जामा मस्जिद परिसर में एक बिजली का बोर्ड खुला देखा। उन्होंने बोर्ड में एक बिल्ली को बिजली के झटके से मरा हुआ पाया।

निर्विरोध चुनी जा सकती हैं सुनेत्रा पवार!

■ **बारामती उपचुनाव : फडणवीस ने विपक्ष को दिया बड़ा संदेश**

मुंबई. तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के दिग्गज नेता अजित पवार के निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर उनकी पत्नी और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा कि बारामती और राहुरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव आम सहमति से निर्विरोध कराए जाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा, लेकिन अगर मुकाबला होता भी है तो भाजपा इसके लिए तैयार है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को घोषणा की कि अजित पवार के निधन के कारण खाली हुई पुणे की बारामती सीट और भाजपा विधायक शिवाजी कर्डिले के निधन के कारण रिक्त अहिल्यानगर की राहुरी सीट पर उपचुनाव 23 अप्रैल को होंगे। जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

सुनेत्रा पवार ने संभाली कमान

अजित पवार के निधन के बाद 30 जनवरी को सुनेत्रा पवार को एनसीपी विधायक दल का नेता चुना गया और भाजपा नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसके बाद 26 फरवरी को पार्टी ने सर्वसम्मति से सुनेत्रा पवार को एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुन लिया। हालांकि वर्तमान में वह न तो विधायक और न ही विधान परिषद सदस्य (MLC) हैं। जबकि उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के छह महीने के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना जरूरी है। इसी कारण वह बारामती से उपचुनाव लड़ने जा रही हैं। इसके लिए वह राज्यसभा की अपनी सीट से इस्तीफा देंगी।

बारामती सीट और राहुरी सीट पर उपचुनाव 23 अप्रैल को

मतगणना 4 मई को

■ **क्या निर्विरोध होगा चुनाव?**

■ राजनीतिक संकेतों और विपक्ष की नरम भूमिका को देखते हुए माना जा रहा है कि बारामती का उपचुनाव औपचारिकता बन सकता है और सुनेत्रा पवार निर्विरोध विधायक चुनी जा सकती हैं।

■ रविवार को मुंबई में पत्रकारों से सीएम फडणवीस ने कहा, 'हमारा हर संभव प्रयास रहेगा कि आम सहमति से निर्णय लिया जाए और दोनों सीटों पर उपचुनाव निर्विरोध कराए जाएं। हालांकि, अगर हम पर (महायुति पर) चुनाव थोपे जाते हैं तो हम चुनाव लड़ने के लिए भी तैयार हैं।'

बारामती उपचुनाव को लेकर विपक्ष की ओर से भी बड़ा संकेत मिला है। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) जो विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (MVA) का हिस्सा है, पहले ही संकेत दे चुकी है कि वह इस चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

यात्रियों से वसूला एक करोड़ से ज्यादा जुर्माना

■ **ऐसा करने वाले पहले टीटीई बने मोहम्मद शम्स**

मुंबई. महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक टीटी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला है. टीटीई ने 11, 483 यात्रियों पर यह जुर्माना लगाया.मंडल रेल प्रबंधक मुंबई मंडल ने यह जानकारी सोशल मीडिया साइट एक्स पर दी. एक पोस्ट में लिखा गया- सेंट्रल रेलवे के मुंबई डिवीजन को वित्त वर्ष 2025–26 में पहला ऐसा टीटीई मिला है जिसने बिना टिकट यात्रा करने वालों पर 1 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है.

इससे पहले मध्य रेलवे तब चर्चा में आया था जब अक्टूबर 2025 में सेंट्रल रेलवे ने अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच बिना टिकट यात्रा करने वाले 17.19 लाख

यात्रियों से 100.50 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला था. अगस्त महीने में ही जुर्माने की राशि साल-दर-साल आधार पर 55 प्रतिशत बढ़कर 13.78 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी. इस दौरान 2.76 लाख लोगों को बिना टिकट यात्रा करते पकड़ा गया. कुल जुर्माने में मुंबई डिवीजन का योगदान 29.17 करोड़ रुपये रहा, जबकि भुसावल डिवीजन से 36.93 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया था.

सभागृह नेता बने भाजपा के वरुण पाटील

केडीएमसी की आमसभा संपन्न | **स्थायी समिति में मनसे को मिला स्थान**

कल्याण. केडीएमसी की आमसभा में स्थायी, महिला एवं बाल कल्याण तथा शिक्षा समिति के सदस्यों की नियुक्ति की गई है। इन समितियों में शिवसेना–शिव आघाड़ी के घटक दल के रूप में मनसे को सभी समितियों में प्रतिनिधित्व दिया गया है। मनसे द्वारा शिवसेना (शिंदे) को समर्थन देने के कारण उन्हें यह 'इनाम' मिला है। वहीं शिवसेना (उद्धव) का इन तीनों समितियों में प्रत्येक एक-एक सदस्य नियुक्त किया गया है। कल्याण–डोंबिवली के विकास परियोजनाओं के लिए 4,800 करोड़ रुपये का निधि एमएमआरडीए से मंजूर करवाने वाले सांसद श्रीकांत शिंदे के अभिनंदन का प्रस्ताव भी महासभा में पारित किया गया।

■ **कल्याण–डोंबिवली स्थायी समिति में मनसे को स्थान**

कल्याण–डोंबिवली मनपा की पहली महासभा शुरू हुई। सभा शुरू होने से कुछ मिनट पहले मुख्यालय में पुलिस द्वारा तलाशी ली गई। इस पर नगरसेवकों ने प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। "क्या हम चोर-डाकू हैं?" ऐसा सवाल प्रशासन से पूछा गया। यदि पुलिस द्वारा तलाशी ली जानी है, तो फिर महापालिका के सुरक्षा रक्षकों को काम पर क्यों रखा गया है, ऐसा भी सवाल किया गया। इस पर प्रशासन ने कहा कि आगे से उचित सावधानी बरती जाएगी। भाजपा के वरुण पाटिल को सभागृह नेता नियुक्त किया गया। इसके बाद स्थायी, महिला एवं बाल कल्याण तथा शिक्षा समिति के सदस्यों की नियुक्ति की गई।

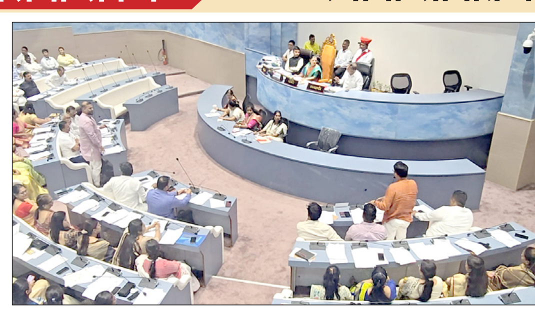

■ **स्थायी समिति-**

स्थायी समिति में 16 सदस्यों की नियुक्ति की गई है। इनमें शिवसेना–शिव आघाड़ी की ओर से गजानन पाटिल, महेश गायकवाड, जयंवत भोईर, विकास म्हात्रे, मल्लेश शेल्टी, नवीन गवली, विजया पोटे तो मनसे के गणेश लांडगे भाजपा के दीपेश म्हात्रे, मंदार हलबे, दया गायकवाड, मनीषा गायकवाड, मुकुंद पेडणेकर, नंदू म्हात्रे, उपेक्षा भोईर तथा शिवसेना (उद्धव) के विशाल गारवे शामिल हैं।

■ **महिला एवं बाल कल्याण**

महिला एवं बाल कल्याण समिति में 11 सदस्यों की नियुक्ति की गई है। इनमें शिवसेना–शिव आघाड़ी की रेखा म्हात्रे, ज्योती मराठे, अस्मिता मोरे, सारिका जाधव, मनसे की रसिका पाटिल, भाजपा की मेघाली खेमा, पूजा गायकवाड, सरोज राय, सुनीता पाटिल, रविना माळी तथा शिवसेना (उद्धव) की तेजश्री गायकवाड शामिल हैं।

■ **शिक्षा समिति-**

शिक्षा समिति में भी 11 सदस्यों का चयन किया गया है। इनमें शिवसेना–शिव आघाड़ी के प्रतीक पेणकर, अनघा देवलेकर, शालिनी वायले, दीपाली पाटिल, मनसे के प्रल्हाद म्हात्रे, भाजपा के अभिजीत थरवल, जतीन प्रजापती, कविता म्हात्रे, श्यामल गायकर, रसिका पाटिल तथा शिवसेना (उद्धव) की अपर्णा भोईर शामिल हैं।

HPV वैक्सीन को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें

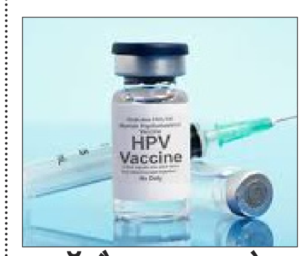

■ **डॉ. कैलाश पवार ने लोगों से की अपील**

■ **सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन बहुत ज़रूरी है**

ठाणे. जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर सर्वाइकल कैंसर से बचाने वाली HPV वैक्सीन के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों पर यकीन न करें। उन्होंने दुख जताया कि गलत और गुमराह करने वाली जानकारी फैलाकर माता-पिता में डर पैदा करने की कोशिश की जा रही है, और इस वजह से कई लड़कियों के ज़रूरी बचाव से वंचित होने का खतरा है।महिलाओं में पाई जाने वाली गंभीर बीमारियों में सर्वाइकल कैंसर को बहुत खतरनाक बीमारी माना जाता है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पेपिलोमावायरस (HPV) है। हालांकि, सही उम्र में बचाव के लिए वैक्सीनेशन करवाने से इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है।डॉ. कैलाश पवार ने कहा HPV वैक्सीन पूरी तरह से सेफ़ है और दुनिया भर के कई देशों में बड़े पैमाने पर लगाई जाती है। अभी तक, इस वैक्सीन के कोई गंभीर साइड इफ़ेक्ट नहीं पाए गए हैं। इसलिए, नागरिकों को सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफ़वाहों या गलत जानकारी पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अगर कोई शक हो, तो सिर्फ़ ऑथराइज़्ड हेल्थ सेंटर या एक्सपर्ट डॉक्टरों से ही सही जानकारी लें।उन्होंने यह भी साफ़ किया कि माता-पिता किसी भी अफ़वाह का शिकार न हों और अपनी बेटियों की हेल्थ के लिए सही समय पर वैक्सीन लगवाएँ।इस बीच, सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए HPV वैक्सीनेशन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हेल्थ सिस्टम को एक्टिवेट किया गया है। अब, यह वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में 14 साल (अभी 15 साल नहीं) की लड़कियों को मुफ़्त में उपलब्ध कराई गई है। इसलिए, माता-पिता को पहल करनी चाहिए और अपनी बेटियों को वैक्सीन लगवानी चाहिए, डॉ. पवार ने कहा।

वैक्सीन सेफ़, असरदार और मान्यता प्राप्त

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, सही उम्र में HPV वैक्सीनेशन से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह वैक्सीन सेफ़, असरदार और दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है, इसलिए नागरिकों को अफ़वाहों पर विश्वास करने के बजाय साइंटिफिक जानकारी पर भरोसा करने की ज़रूरत है।HPV वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में बहुत असरदार है। लोगों को सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों और गलत जानकारी से सावधान रहना चाहिए। ठाणे जिले के माता–पिता को पहल करनी चाहिए और अपनी बेटियों को वैक्सीन लगवानी चाहिए जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने अपील की।

एस.एस.टी. महाविद्यालय की ओर से 'बिजनेस बंधन' सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमिता को प्रोत्साहन

उल्हासनगर. एस.एस.टी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के SIBIC सेल की ओर से विद्यार्थियों में उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुंबई में 'लोकल बंधन मीडिया' द्वारा आयोजित 'बिजनेस बंधन' सत्र में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य में सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशल और मार्गदर्शन प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को व्यवसाय के अवसर, रचनात्मक विचार तथा उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यावसायिक कौशल की जानकारी प्राप्त की।

एस.एस.टी. महाविद्यालय का SIBIC सेल विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न उपक्रमों का आयोजन करता रहता है। ऐसे उपक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

इस उपक्रम के लिए महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी तथा उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ SIBIC सेल की समन्वयक प्रो. नम्रता सिंह और प्रो. अविनाश डोंगरे भी उपस्थित थे।

ठाकरे गुट के नगरसेवक मधुर म्हात्रे पार्टी से निकाले गए

■ **आमसभा से पूर्व की गई कार्रवाई**

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में शिवसेना (उद्धव) गुट से चुनकर आए नगरसेवक मधुर म्हात्रे को पार्टी से निकाल दिया गया है। इसकी आधिकारिक घोषणा पार्टी के जिला प्रमुख शरद पाटील ने की है। बतादें कि मनपा चुनाव में प्रभाग क्रमांक 13 (ड) से चुनकर नगरसेवक मधुर उमेश म्हात्रे पार्टी के गुट में शामिल नहीं हुए थे। इसलिए नोटीस के बाद पार्टी ने उन्हें 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। पार्टी के अल्टीमेटम के बाद भी वो गुट में शामिल नहीं हुए। इसलिए 16 मार्च को हुई मनपा की पहली आमसभा के पहले नगरसेवक मधुर म्हात्रे को पार्टी से निकाले जाने का फरमान पार्टी ने जारी कर दिया है। इस मामले में शिवसेना (उद्धव) के जिला प्रमुख शरद पाटील ने कहा कि पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के रूप में जीतने के बावजूद वे अधिकारिक रूप से पार्टी गुट में शामिल नहीं हुए। इसलिए उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधि के कारण उन्हें पार्टी से निकाला गया है।

आर माधवन का फेक अकाउंट

■ **फैंस से सतर्क रहने की अपील**

■ **कहा– उनसे या उनकी टीम से कोई संबंध नहीं**

क्टर आर माधवन ने शनिवार को लोगों को एक फ्रॉड सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर अलर्ट किया, जो सोशल मीडिया पर लोगों से कॉन्टैक्ट करने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह अकाउंट उनसे या उनकी टीम से किसी भी तरह जुड़ा नहीं है और इसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

माधवन ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उस फेक हैंडल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर कोई भी अन्य अकाउंट उन्हें रिप्रेजेंट नहीं करता और न ही उनकी ओर से लोगों से बात करता है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा कि यह व्यक्ति खुद को उनका रिप्रेजेंटेटिव बताकर सोशल मीडिया पर लोगों से संपर्क कर रहा है, जो पूरी तरह फेक है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

माधवन ने यह भी कहा कि इंस्टाग्राम या किसी भी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके अलावा कोई और अकाउंट उनकी ओर से बात नहीं करता। इस मामले में जिम्मेदार व्यक्ति के खिल ाफ उचित कदम उठाए जा रहे हैं।

'आपले सरकार' पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन लिए जा रहे

10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स के ग्रेस पॉइंट एप्लीकेशन

ठाणे. एकेडमिक ईयर 2024-25 से 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स के स्पोर्ट्स ग्रेस पॉइंट प्रपोज़ल 'आपले सरकार' पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन किए जा रहे हैं। साथ ही, सरकार ने इस पोर्टल के ज़रिए महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन में सभी एप्लीकेशन जमा करने की सुविधा भी बनाई है। इस साल भी, ज़िले के सभी स्पोर्ट्स स्टूडेंट्स - सेकेंडरी स्कूल और जूनियर कॉलेज - को 'आपले सरकार' पोर्टल के ज़रिए कंसेशन पॉइंट के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन भरना होगा।

ज़िला, डिवीज़न, स्टेट और नेशनल कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने या प्रोफ़िशिएंसी सर्टिफ़िकेट के लिए कंसेशन पॉइंट के लिए सिर्फ़ ऑनलाइन एप्लीकेशन ही ज़रूरी हैं। इस एप्लीकेशन की एक कॉपी सिस्टम के ज़रिए एजुकेशन बोर्ड को भी ऑटोमैटिकली भेज दी जाएगी। इस बारे में, कोई भी खिलाड़ी डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफ़िसर ऑफ़िस या एजुकेशन बोर्ड में ऑफ़लाइन अप्लाई न करे और ऐसे ऑफ़लाइन एप्लीकेशन डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफ़िसर ऑफ़िस द्वारा एक्सेप्ट नहीं किए जाएँगे।

अंतिम तारीख 10 अप्रैल

एप्लीकेशन जमा करने की आखिरी तारीख 10 अप्रैल 2026 है। इसलिए, सभी खिलाड़ी और स्टूडेंट तय समय में 'आपले सरकार' पोर्टल पर अपने प्रपोज़ल ऑनलाइन जमा कर दें। साथ ही, डायरेक्टरेट ऑफ़ स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स की वेबसाइट पर ग्रेस मार्क्स की सुविधा के लिए एक लिंक उपलब्ध कराया गया है। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर सुवर्णा बार्टक्के ने अपील की है कि ग्रेस मार्क्स पाने के लिए वे sports.maharashtra.gov पर जाएं।

कार के लेन-देन में 37.79 लाख रुपये ठगे

नौपाड़ा में दो के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत

ठाणे. नौपाड़ा पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता प्रकाश वरकुटे 52, मंगेश लोखंडे और इमरान के खिलाफ गाड़ी खरीदने का एग्रीमेंट बनाकर खरीदी गई गाड़ी का कॉन्ट्रैक्ट तोड़कर शिकायतकर्ता से 37.79 लाख रुपये ठगने का केस दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता प्रकाश वरकुटे (उम्र 52) की शिकायत के मुताबिक, उन्होंने अपनी लग्ज़री कार माजीवाड़ा के मंगेश लोखंडे को बैंक फीस देकर गाड़ी अपने नाम करवाने के एग्रीमेंट के आधार पर दी थी। लेकिन, शिकायत में आरोप है कि लोखंडे ने एग्रीमेंट पूरा किए बिना ही गाड़ी इमरान नाम के एक व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए दे दी और गाड़ी का गलत इस्तेमाल किया। इस मामले में राबोडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ.

जा.क्र.: अंनप/उद्यान-विभाग/2025-26/315 दि.09/03/2026

-: जाहीर नोटीस:-

महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975चे कलम 8 (3) (अ) नुसार

अंबरनाथ नगरपरिषदेच्या हद्दीतील नवीन इमारतीच्या बांधकाम संकुलनात अडथळा येणारी खालील तक्त्यामधील दर्शवल्याप्रमाणे वृक्ष तोडीकारिता परवानगी मिळणेस अंबरनाथ नगरपरिषदेकडे अर्ज प्राप्त झाला आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नाव	झाडांचे नाव	झाडांची संख्या	झाडांचे अंदाजे एकूण वय
01.	भारती इन्फ्रा प्लॉट नं.473, न.भू.क्र.7385, कानसई, अंबरनाथ (पूर्व)	आंबा जंगली नारळ	02 01 01	13 28 30
	एकूण		एकूण वृक्ष संख्या-04	एकूण वय-71

तरी वरील प्रमाणे त्या ठिकाणी असलेली वृक्ष तोडणे प्रकरणी कोणचीही कोणत्याही प्रकारची हरकती/सूचना असतील तर त्या लेखी स्वरूपात व सकारण अंबरनाथ नगरपरिषदेच्या कार्यालयात दि.16/03/2026 रोजीपर्यंत कार्यालयीन कामकाजाच्या दिवशी व वेळेत आणून द्याव्यात. तदनंतर आलेल्या हरकती/सूचना स्विकारल्या जाणार नाहीत.

ठिकाण : अंबरनाथ.
दि. 09/03/2026

सही/-
(उमाकांत गायकवाड)
मुख्याधिकारी तथा वृक्षअधिकारी,
अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

आम सूचना

मैं श्रीमती कामीनाबाई तुलशीराम राऊत सभी को सूचित कर रही हैं कि रुम, 04/01, वाल्मीक नगर, पानी की टांकी के पास, धोबीघाट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ020093500) उक्त प्रॉपर्टी श्री तुलशीराम नथुजी राऊत के नाम पर है। उनका निधन 31.12.2012 को हो गया। श्रीमती दिपाली विरु कटके, श्री सुनिल तुलशीराम राऊत व श्रीमती अर्चना मिलिंद उंदरे ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 9.3.2026 रजि.नं. 789/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कामीनाबाई तुलशीराम राऊत

आम सूचना

मैं श्री भावलाल किसन गायकवाड सभी को सूचित कर रहा हैं कि रुम, बैरक नं. 138 के सामने, टिलक नगर, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 05एओ014372300) उक्त प्रॉपर्टी श्री धनराज लाला नागरे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.1.2026 सी.नं. 302/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री भावलाल किसन गायकवाड

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099